Literacy for a Billion

Movie: Chirag (1969)
Year: 1969

Song: Teri Aankhon Ke Siva
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

तेरी आँखों के सिवा दुनिया मे रखा क्या है
तेरी आँखों के सिवा दुनिया मे रखा क्या है
ये उठें सुबह चले
ये झुकें शाम ढले
मेरा जीना मेरा मरना इन्हीं पलकों के तले
तेरी आँखो के सिवा दुनिया मे रखा क्या है
पलकों की गलियों में चेहरे बहारों के हँसते हुए
हैं मेरे ख्वाबों के क्या-क्या
नगर इनमें बसते हुए
पलकों की गलियों में चेहरे बहारों के हँसते हुए
ये उठें सुबह चले
ये झुकें शाम ढले
मेरा जीना मेरा मरना इन्हीं पलकों के तले
तेरी आँखो के सिवा दुनिया मे रखा क्या है
इनमें मेरे आनेवाले जमाने की तस्वीर है
चाहत के काजल से लिखी हुई मेरी तक़दीर
है हो
इनमें मेरे आनेवाले जमाने की तस्वीर है
ये उठें सुबह चले
ये झुकें शाम ढले
मेरा जीना मेरा मरना इन्हीं पलकों के तले
तेरी आँखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है
ये हो कही
इनका साया मेरे दिल से जाता नहीं
इनके सिवा अब तो कुछ भी नज़र मुझको
आता नहीं
ये हो कही
इनका साया मेरे दिल से जाता नहीं
ये उठें सुबह चले
ये झुकें शाम ढले
मेरा जीना मेरा मरना इन्हीं पलकों के तले
तेरी आँखों के सिवा दुनिया मे रखा क्या है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.